कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

B.S.E.R. P

क्रम संख्या 1383772

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

... अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय हिंदी अनिवार्य

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 20-02-2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	5
2	6	20	5
3	6	21	
4	6	22	
5	6	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	3	31	
14	3	योग	
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 27165

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 178/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षंक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें। जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
6. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं।
7. किसी भी प्रकार की [illegible] अन्तर [illegible] आभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

प्र.1

[i] [ब] छह आने

[ii] [द] चटाक्-चट धा

[iii] [अ] जाति भेद का उच्छेद

[iv] [ब] हालावाद

[v] [स] अनामिका

[vi] [द] हनुमान

[vii] [स] किशनदा को

[viii] [द] सौंदलगेकर गुरुजी का

[ix] [स] इंटरनेट में

[x] [अ] तहलका डॉटकॉम

[xi] [ब] बुंदेली

BSER-1783024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(xii)	(अ) नेपाली
	प्र०2	
1	(i)	तीन
1	(ii)	व्यंजना ~~लक्षणा~~
1	(iii)	भ्रांतिमान
1	(iv)	श्लेष
1	(v)	~~Permasibble~~ Permissibl ~~Abbrove~~
1	(vi)	~~विश्वास~~ न्यास
	प्र०3	
1	(i)	(स) विघ्नों से
1	(ii)	~~(ब)~~ (स) मनन करना
1	(iii)	(ब) अचल

RSER-178-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	[iv]	शीर्षक ⇒ पढ़-लिख कर सच्चा देशभक्त बनना ।
1	[v]	'क्यों बने फकीर लकीरों के' पंक्ति में कवि यह कहना चाहता है कि हम अपनी लकीरों के भरोसे न रहकर अपने लिए नए सपने देखे ।
1	[vi]	पद्यांश में कवि न बुरा बोलना, न बुरा देखना और न बुरा सुनने को सीख दे रहा है ।
	प्र.4	
1	[i]	[ब] मृत्यु की
1	[ii]	[अ] दीर्घ संधि
1	[iii]	~~[ब]~~ [स] जो स्वयं से मित्रता करता है
1	[iv]	शीर्षक ⇒ ~~पढ़-लिख कर सच्चा देशभक्त बनना~~ स्वभाव के अनुसार कर्म करना ।
1	[v]	मनुष्य को स्वधर्मानुसार कर्म का चयन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए ।
1	[vi]	मनुष्य का जो कर्म उसकी योग्यता और स्वभाव के अनुकूल, उसी कर्म को पवित्र निःस्वार्थ भाव से करना, स्वयं से मित्रता निभाने की कसौटी है ।

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र॰5	
1	(i)	बच्चों को छतों के खतरनाक किनारों से गिरने से उनका रोमांचित शरीर बचाता है ।
1	(ii)	'कैमरे मे बंद अपाहिज' कविता में साक्षात्कार कर्ता कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए अपाहिज को उनका दुःख पूछ कर रुलाना चाहता है ।
1	(iii)	बाजार का जादू मूक आमंत्रण देता है जिससे लोग बिना आवश्यकताओं की वस्तुएं खरीद लेते हैं, बाजार को अनीति शास्त्र कहा जाता है ।
1	(iv)	'पहलवान की ढोलक' पाठ में नए राजकुमार के राज्य प्रबंधन अपने हाथ में लेने पर दंगल का स्थान घोड़ो की रेस ने ले लिया ।
1	(v)	लड़कों के मन मे गणित के अध्यापक मंत्री गुरुजी की दहशत बैठी हुई थी ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vi) यश

(vii) यशोधर बाबू की पत्नी के चचेरे भाई का नाम गिरीश था ।

1

खण्ड - ब

प्र॰6
⇒ जनसंचार के मुद्रित माध्यम की शुरुआत चीन से हुई थी । जर्मनी के गुटेनबर्ग ने छापेखाने का आविष्कार किया था । भारत में पहला छापाखाना 1556 ई. में गोवा में खुला था । इस छापेखाने की शुरुआत ईसाइ मशीनरियों ने की थी अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करने के लिए की थी । आज मुद्रित माध्यम में विभिन्न पत्र-पत्रिकाएं छप कर आती हैं ।

2

प्र॰7
⇒ बीट रिपोर्टिंग ⇒ बीट रिपोर्टिंग में रिपोर्टर को अपनी रूचियों और अपने बीट की जानकारी होना पर्याप्त है। बीट रिपोर्टर अपनी डेस्क की खबरे प्रकाशित करता है ।

2

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बीट से तात्पर्य है कि पत्रकारों के बीच उनके काम विभाजन उनके ज्ञान और रुचियों को ध्यान में रखकर किया जाता है।

प्र॰8

⇒ रेडियो नाटक लिखते समय निम्न बातें का ध्यान रखना चाहिए -

(i) कहानी घटना प्रधान हो

(ii) नाटक की समय अवधि 15 से 30 मिनट तक की हो

(iii) पात्रों की संख्या सीमित हो।

2 भरतमुनि के नाट्य शास्त्र के अनुसार नाटक की अवधि 48 मिनट ही होनी चाहिए।

प्र॰9

⇒ लुट्टन सिंह पहलवान ढोलक बजाता था। उसने ढोलक की धुन पर ही पहलवानी के दाव पेंच सीखे थे। जब राजदरबार से उसे निकाल दिया गया तब उसने गाँव में रहना शुरू किया।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गाँव के लड़कों को पहलवान बनाने के लिए कसरत करवाई तब उसने अपने शिष्यों से कहा था कि जब मैं मर जाऊ तब मुझे चित मत होने देना मुझे पेट के बल चिता पर सुलाना ।

प्र.10
⇒ 'देख आईने में चाँद उतर आया' पंक्ति में का आशय है - जब बच्चा चाँद को देखकर उसे पाने की इच्छा करता है तब उसकी माँ उसे एक दर्पण लाकर देती है दर्पण में चाँद का प्रतिबिम्ब दिखाती है तब बच्चा खुश हो जाता है । एक माँ अपने बच्चे की सारी इच्छाएँ पूरी करती है । इसके कवि फिराख गोरखपुरी है ।

2

प्र.11
⇒ 'जूझ' कहानी में लेखक डॉ. आनंद यादव के पिता के अनुसार अगर सबसे पहले ईख काट कर गाँव में बेची जाए तब अच्छी कीमत मिलती है । अन्य गाँव वालों के अनुसार जब ईख अच्छी तरह से

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पक जाती है तब इसमें से गुड़ भारी मात्रा में निकलता है तथा अच्छा (गुड़) भी निकलता है। तब ईख की अच्छी कीमत मिल जाती है।

प्र.12

⇒ यशोधर बाबू के बड़े बेटे भूषण ने उन्हें उनकी (यशोधर बाबू) सिल्वर वेडिंग पर ऊनी गाउन गिफ्ट में दिया था। यशोधर बाबू सुबह दूध लेने जाते थे तब वे फटा गाउन पहनकर जाते थे उससे उनके बेटे को अच्छा नहीं लगता था। इसलिए उसने यशोधर बाबू को नया ऊनी गाउन गिफ्ट दिया ताकि वे यह गाउन पहनकर सुबह दूध लेने के लिए जाए।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

प्र.13

→ हजारी प्रसाद द्विवेदी ⇒

हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म सन् 1907 ई. में आरत दुबे का छपरा, बलिया (उत्तरप्रदेश) में हुआ। इन्होंने अनेक निबंध और उपन्यास लिखे है।

प्रमुख रचनाएँ -

निबंध संग्रह
(i) अशोक के फूल,
(ii) आलोक पर्व,
(iii) कुटज
(iv) विचार और वितर्क,
(v) विचार - प्रवाह।

3

उपन्यास -
(i) चारुचंद्रलेख,
(ii) बाणभट्ट की आत्मकथा,
(iii) अनामदास का पोथा,
(iv) पुनर्नवा।

ग्रंथ - संपादन -
(i) समय रासक
(ii) पृथ्वीराजरासो
(iii) नाथ - सिद्धों की बानियाँ

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इन्होंने पत्रिकाओं का भी संपादन किया। इन्हें 'आलोक पर्व' के लिए साहित्य-अकादेमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

अन्य पुरस्कार -

(i) भारत सरकार से पद्मभूषण

(ii) लखनऊ विश्वविद्यालय से डी.लिट.

मृत्यु - 1979 ई., दिल्ली में।

Q.14

→ 'उषा' कविता के कवि शमशेर बहादुर सिंह ने इस कविता में प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम वर्णन किया है। उषा कविता में उन्होंने सूर्योदय से पहले के आकाश का वर्णन किया है। सूर्योदय से पहले आकाश नीले शंख के समान दिखाई देता है। आर्द्रता के कारण राख से लीपे हुए चौके की तरह लग रहा है जो अभी तक गीला पड़ा है। जैसे ही सूर्योदय होने लगता है तब आकाश लाल केसर से धुली हुई खड़ियासिल की तरह प्रतीत होता है। आकाश को देखकर लगता है जैसे किसी खड़िया

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पर लाल चौंक मल दी हो। जब सूर्योदय होता है उसके बाद आकाश के नीले रंग को देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी गोरी की देह झिलमिला रही है। सूर्योदय होती ही, यह सारी सौंदर्यता मिट जाती है।

प्र.15

⇒ वैज्ञानिक तर्क पर लोक मान्यताएँ हावी रहती है। काले मेघा पानी दे पाठ के लेखक धर्मवीर भारती ने यही बताया है। लेखक पर आर्यसमाज के संस्कारों का प्रभाव है। लेकिन उसकी जीजी उसके जबरदस्ती वह काम करवा देती है जो उसे [लेखक] को अंधविश्वास लगता है। इसी का उदाहरण है - जब जीजी लेखक को इंदर सेना पर पानी डालने को कहती है तब लेखक इसे अंधविश्वास कहता है। जीजी उसे समझाती है कि यह दान है। तब लेखक ने कहा जिस चीज की कमी उसका [पानी] दान क्यों करना? तब जीजी कहती है कि ऋषि-मुनियों ने इसे ही सच्चा त्याग और दान कहा है। उसे [लेखक] समझाती है कि किसान भी खेत से गेहूँ प्राप्त करने के लिए पहले कुछ गेहूँ

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खेत मे डालता है ठीक उसी प्रकार हम भी पानी की बुवाई कर रहे हैं। इस आधार पर लेखक धर्मवीर भारती ने कहा है कि वैज्ञानिक तर्क पर लोक मान्यताएँ हावी रहती है।

प्र.16

⇒ सिल्वर वैडिंग पाठ के लेखक मनोहर श्याम जोशी ने इस पाठ मे पीढ़ी - अंतराल की समस्याओ का ज्वलंत चित्र प्रस्तुत किया है। पुरानी पीढ़ी के प्रतीक यशोधर पंत और किशनदा है। नयी पीढ़ी के प्रतीक यशोधर पंत की पत्नी, बच्चे और चड्ढा है। यशोधर पंत पुरानी विचारधारा के है इसलिए उनके बेटे और बेटी उनसे किसी भी बात की सलाह नही लेते है उनका कहना है कि जिस बात को अब्बा जानते ही नहीं भला उसके बारे मे उनसे क्या पूछना। यशोधर बाबू के पुत्र और पुत्री पाश्चिमी संस्कृति को अपना रहे है। उनकी पुत्री जीन्स पहनती है। उसके प्रभाव से उसकी मां (यशोधर पंत की पत्नी) भी बगैर बाह का ब्लाउज पहनती है, हिल्स

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पहनती है और लिपस्टिक लगाती है। यह सब यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रोपर' लगता है। इसी के चलते यशोधर बाबू घर भी जल्दी नहीं आते है जबकि दफ्तर की छुट्टी पांच बजे होती है और वे घर पर आठ बजे आते है। इसी पीढ़ी अन्तराल की समस्या का लेखक ने ज्वलंत चित्र प्रस्तुत किया है।

प्र.17

⇒ सप्रसंग व्याख्या

सन्दर्भ तथा प्रसंग ⇒

प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह भाग-2' के पाठ 'भक्तिन' का एक अंश है। इस पाठ की लेखिका 'महादेवी वर्मा' है। इस अंश में उन्होंने भक्तिन के स्वभाव और उसके द्वारा बनाए हुए नियमो के बारे में बताती है।

4

व्याख्या ⇒

कवियत्री कहती है, जब उसने भक्तिन को अपने साथ रखा। तब से वह खाना बबबनाने के लिए रसोईघर में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जाती है तब वहाँ कोयले से एक मोटी रेखा खींच देती है। यह सब देखकर मुझे (कवियत्री) मालूम हुआ था कि इस सेवक का साथ कठिन है। मैंने यह देख कर जान लिया था कि भक्तिन छुआछूत को मानती है। मैंने सोचा कि मैं यह रेखा लांघ दूँ पर तब मुझे छूत-पाक पर प्राण देनेवाले व्यक्तियों का, बात-बात पर भूखा मरना स्मरण हो जाता है। भक्तिन की दृष्टि में छिपे निषेध का मैंने अनुभव किया और तब यह रेखा मेरे लिए लक्ष्मण के धनुष से खींची हुई रेखा के समान लगने लगी थी।

विशेष -

(i) गद्यांश की भाषा सरल और खड़ी बोली है।

(ii) गद्य की शैली विषय के अनुरूप है।

(iii) मुहावरों का प्रयोग किया गया है -
टेढ़ी खीर - मुश्किल काम

BSER 178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.18

⇛ सन्दर्भ तथा प्रसंग ⇛

प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह भाग-2' में 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' शीर्षक से संकलित है। इसके रचनाकार 'गोस्वामी तुलसीदास' है। पद्य का यह भाग रामचरितमानस मानस के लंका कांड से लिया गया है। इसमें राम लक्ष्मण को मूर्च्छित देखकर साधारण मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं।

व्याख्या ⇛

4

लक्ष्मण शक्ति बाण लगने से मूर्च्छित हो गये हैं उन्हें मूर्च्छित पड़ा देखकर राम विलाप करते हुए कहते है कि - तेरे जैसा भाई मुझे कहाँ मिलेगा, तु मेरी व्याकुलता देखकर उठ क्यों नहीं जाता है। अगर तु मुझसे दूर हो जाएगा ऐसा मुझे मालुम होता तो मैं पिताजी का वचन कभी नहीं मानता। इस संसार मे पुत्र, नारी, भवन और परिवार सब कुछ दुबारा मिल सकता है लेकिन एक सहोदर भाई नही मिलता है। तुम्हार बिना मेरी स्थिति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बिना पंख के पक्षी, मणिहीन साँप और बिना सूंड के हाथी की तरह हो जाएगा। इसलिए भाई अगर मुझे तुम्हारे बिना पड़ा तो मेरी स्थिति भी ऐसी हो जाएगी।

विशेष :

(i) पद्यांश में सरस और प्रवाहपूर्ण अवधी भाषा का प्रयोग है।

(ii) अलंकारों का प्रयोग भाषा सौन्दर्य में वृद्धि कर रहा है।

(iii) करुण रस की अभिव्यक्ति हुई है।

(iv) राम ने भाई का महत्व बताया है।

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.19

⇒

राजस्थान सरकार

नगर निगम अलवर

ज्ञा.सं. - 14/105 दिनांक - 20 फरवरी 2026

ज्ञापन

विषय : राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य मे रैली आयोजित करने हेतु

सभी विभागो को सूचित किया जाता है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य मे एक रैली का आयोजन करने जा रहे है। हमने व्यवस्था की सारी तैयारियां कर दी है। हम इस रैली को सुबह 10:00 बजे नगर निगम केन्द्र से शुरू करेंगे। जनसाधारण की भागीदारी अनिवार्य होगी।

5

(हस्ताक्षर)
क,ख,ग
आयुक्त
नगर निगम, अलवर

सेवा मे

(i) समस्त विभागाध्यक्ष

(ii) समस्त अधिकारी

(iii) कलेक्टर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०20

⇒ संकेत बिन्दु - मेरे सपनों का भारत

(i) प्रस्तावना

(ii) पहले अतीत मे भारत की स्थिति

(iii) वर्तमान मे भारत की स्थिति

(iv) मेरे सपनो का भारत

(v) उपसंहार

⇒ प्रस्तावना ⇒

भारत देश के बारे मे एक बार राकेश शर्मा ने इंदिरा गांधी जी के पूछने पर बताया था कि -

'सारे जहाँ से अच्छा,
हिंदुस्तान हमारा',

भारत देश एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ सभी को अपना पेशा चुनने पढ़ने - लिखने का अधिकार है। सभी के साथ समानता का व्यवहार किया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अतीत मे भारत की स्थिति ⇒

भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से आजादी मिली थी। आजादी मिलने के बाद भारतीयों ने अपना एक संविधान बनाया था। उसमे लोगों को मौलिक अधिकार दिए थे। लेकिन जब भारत आजाद हुआ तब उसकी अर्थव्यवस्था ठीक नहीं थी। देश के सभी नागरिक गरीबी की मार झेल रहे थे। तब सरकार ने कुछ योजनाएँ बनाकर जनता को फायदा पहुँचाया था।

वर्तमान मे भारत की स्थिति ⇒

वर्तमान मे भारत की अर्थव्यवस्था मे वृद्धि हो रही है। भारत ने अर्थव्यवस्था मे काफी सुधार किया है। अब भारत मे बेरोजगारी कम है। भारत सरकार ने दलितों को नौकरियों मे आरक्षण प्रदान किया है। भारत ने परमाणु परीक्षण भी किए है। भारत की कृषि भी उन्नत अवस्था मे है। भारत आज दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से भी सम्पन्न देश है। भारत मे अच्छी शिक्षा भी उपलब्ध है। फिर भी कई बच्चे गाँवो मे शिक्षा से

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वंचित है। भारत के पास अपने हथियार बनाने की टेक्नोलॉजी नहीं है।

मेरे सपनो का भारत → मेरे सपनों का भारत एक विकसित राष्ट्र हो। जिसमें सभी लोगों को रोजगार मिले कोई भी बेरोजगार नहीं रहे। अच्छी शिक्षा की व्यवस्था हो, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो, ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक स्कूले बनवाई जाए। भारत की अर्थ-व्यवस्था सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो। भारत की जनसंख्या का अनुपात संतुलित रहे। भारत मे जाति-भेद की प्रथा नहीं हो कन्या भ्रूण हत्या न हो और बालिकाओं को भी अच्छी शिक्षा मिले। शिक्षा के स्तर पर कोई भेदभाव नहीं हो। भारत की कृषि में उन्नति हो। भारत के पास अपनी हथियार बनाने की तकनीक हो। जहाँ लड़कियाँ सुरक्षित हो, उनके साथ कोई बलात्कारी न हो। भारत के सभी नागरिक सुरक्षा की सामुहिक जिम्मेदारी ले।

5

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपसंहार →
वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था ठीक गति से कार्य कर रही है। आने वाले समय में भारत के नागरिक सम्पन्न होंगे। सभी भारतीय भारत की प्रगति में अपना योगदान दे तभी यह सपना साकार हो सकता हैं।

"हम सब का एक ही सपना,
सुन्दर व स्वच्छ हो भारत अपना"।

— समाप्त —

80/80

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-178/2024